 भूमिपूजन समारोह के पहले चरण में सोनभद्र ने मारी बाजी, कभी नक्सल गतिविधियों के लिए पूरे देश में था कुख्यात

नोएडा के बाद सर्वाधिक निवेश सोनभद्र में लगेंगी ₹ 79 हजार करोड़ की परियोजनाएं

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। कभी नक्सलियों के गढ़ के रूप में कुख्यात सोनभद्र आज निवेशकों की सबसे पसंदीदा जगहों में से एक बनकर उभरा है। भूमिपूजन समारोह के पहले चरण में नोएडा के बाद सर्वाधिक निवेश सोनभद्र में हो रहा है। खनिज संपदा से भरपूर यह जिला निवेश की दृष्टि से काफी पिछड़ा था लेकिन पहली बार यहां 79 हजार करोड़ रुपये की 43 परियोजनाएं कार्यान्वित होने के लिए तैयार हैं। इससे न सिर्फ पूर्वांचल बल्कि पूरे प्रदेश के विकास को रफ्तार मिलेगी।

वैश्विक निवेशक सम्मेलन के बाद यूपी को मिले करीब 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए योगी सरकार भूमि पूजन समारोह की तैयारियों में जुटी हुई है। सोनभद्र में ऊर्जा से जुड़े लगभग 35 हजार करोड़ के दो बड़े प्रोजेक्ट जल्द लगेंगे। इनमें ओबरा में 1600-1600 मेगावाट के सुपर थर्मल पावर प्लांट और सिंगरौली में तापीय विद्युत संयत्र का विस्तार शामिल है। इसके अलावा 3,660 मेगावाट की ऑफ स्ट्रीम क्लोज लूप पंप स्टोरेज परियोजना यहां लग रही है। भूमिपूजन समारोह के लिए पहले चरण में लगभग 13 लाख करोड़ की परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं।

झांसी, लखनऊ और बरेली में भी होगा बड़ा निवेश

भूमिपूजन समारोह के पहले चरण में नोएडा में 1.96 लाख करोड़ की परियोजनाएं निवेश के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। दूसरे नंबर पर सोनभद्र है। इसके बाद झांसी में करीब 63 हजार करोड़ की 175 परियोजनाएं, लखनऊ में 34 हजार करोड़ की 327 परियोजनाएं और बरेली में 31.7 हजार करोड़ की 357 परियोजनाएं धरातल पर उतरने जा रही हैं। टॉप फाइव में शामिल सभी जिलों की तुलना में सोनभद्र की ऊंची छलांग सबको हैरान करने वाली है। चंदौली में 17.4 हजार करोड़ और मिर्जापुर में 6 हजार करोड़ की निवेश परियोजनाएं समारोह में शामिल की गई हैं।

भूमिपूजन समारोह के लिए सात लाख करोड़ की परियोजनाएं तैयार

लखनऊ। भूमिपूजन समारोह में 7.16 लाख करोड़ के निवेश धरातल पर उतरने के लिए तैयार हैं। प्रदेश के सभी 18 मंडलों में निवेश हो रहा है। मेरठ मंडल में निवेशकों ने सर्वाधिक रुचि दिखाई है। क्रियान्वयन के लिए तैयार निवेश में टॉप फाइव मंडलों में मेरठ, झांसी, मिर्जापुर, लखनऊ और वाराणसी हैं। मेरठ मंडल में सबसे अधिक 2,55,097 करोड़ रुपये, झांसी मंडल में 91,128 करोड़, मिर्जापुर में 85,104 करोड़, लखनऊ में 48,770 करोड़, वाराणसी में 37,372 करोड़, बरेली में 35,322 करोड़ और अयोध्या मंडल में 23,921 करोड़ रुपये के निवेश क्रियान्वयन के लिए तैयार हैं। इसी तरह आगरा मंडल में 23,706 करोड़, कानपुर में 22,992 करोड़, मुरादाबाद में 17,833 करोड़, प्रयागराज में 17,780 करोड़, गोरखपुर में 15,600 करोड़, सहारनपुर में 12,413 करोड़, अलीगढ़ में 9,873 करोड़, चित्रकूट में 9,213 करोड़, देवीपाटन में 3,954 करोड़, आजमगढ़ में 3,400 करोड़ और बस्ती मंडल में 3,018 करोड़ रुपये के निवेश क्रियान्वयन के लिए तैयार हैं। ब्यूरो

मेरठ मंडल अव्वल, धरातल पर उतरने को तैयार ढाई लाख करोड़ की परियोजनाएं